अव्यवस्था

कमिश्नर के आदेश भी हवा हवाई,31 मार्च तक पूरा करने का था निर्देश

4 सालों से चल रहे सीवर लाइन के काम से शहर हो रहा हलाकान

नवभारत , शहडोल। शहर में चल रहा सीवर लाइन प्रोजेक्ट अब विकास से ज्यादा अव्यवस्था की पहचान बनता जा रहा है। कमिश्नर के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद काम की रफ्तार सुस्त है और हालात ऐसे हैं कि सड़कों पर गड्ढे, मिट्टी के ढेर और अधूरे पैचवर्क आमजन के लिए मुसीबत बन गए हैं।

निर्देशों की खुलेआम अनदेखी

शहडोल कमिश्नर ने इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट को 31 मार्च तक हर हाल में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए थे। चेतावनी भी दी गई थी कि समयसीमा में काम पूरा न होने पर कड़ी कार्रवाई होगी। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि निर्देशों का असर कहीं नजर नहीं आ रहाकृकाम अब भी ढीली गति से, बदइंतजामी के साथ जारी है। साल 2022 में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट आज भी अधूरा है। 52 किलोमीटर सीवर लाइन बिछाने का काम पूरा नहीं हो सका है, वहीं 20 हजार से ज्यादा घरों में कनेक्शन देना अभी बाकी है। दिसंबर 2024 के बाद 31 मार्च तक का अतिरिक्त समय भी दिया गया, लेकिन इसके बावजूद लक्ष्य हासिल नहीं हो पाया।

सड़कों पर गड्ढे और मिट्टी हादसों का खतरा

शहर के कई इलाकों में महीनों से गड्ढे खुदे पड़े हैं। काम पूरा होने के बाद भी न तो सही तरीके से फिलिंग की जा रही है और न ही सड़कों से मिट्टी हटाई जा रही है। जगह-जगह मिट्टी के ढेर और उखड़ी सड़कें दुर्घटनाओं को न्योता दे रही हैं। पैचिंग वर्क के नाम पर भी खानापूर्ति की जा रही है। कुछ दिनों में ही सड़क फिर से उखड़ जाती है। इन अधूरे कार्यों का सीधा असर शहर की यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा है। रोजाना जाम, धूल और जोखिम भरे रास्तों से गुजरना लोगों की मजबूरी बन गया है। स्थानीय नागरिकों में प्रशासन और ठेकेदार कंपनी के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

सुरक्षा के नाम पर अव्यवस्था

कमिश्नर ने कार्यस्थलों पर जरूरी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे, लेकिन कई जगहों पर न तो बैरिकेडिंग है और न ही चेतावनी संकेत, जिससे रात के समय हादसों का खतरा और बढ़ जाता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर चार साल बाद भी प्रोजेक्ट अधूरा क्यों है। क्या जिम्मेदार एजेंसियों पर कार्रवाई होगी या फिर समयसीमा बढ़ाकर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा। शहर को स्मार्ट बनाने का दावा करने वाला यह सीवर प्रोजेक्ट फ्लिहाल अव्यवस्था और लापरवाही का प्रतीक बन चुका है। जब तक काम में गति, गुणवत्ता और जवाबदेही नहीं लाई जाती, तब तक आम जनता को राहत मिलना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन लगता है।

सेंट्रल बैंक में जागरूकता शिविर, किसानों को दी गई जानकारी

नवभारत ,गोहपारू। सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया की गोहपारू शाखा में किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक विशेष किसान क्रेडिट कार्ड जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अमित चौरसिया सुजीत कुमरे सेंट्रल बैंक के शाखा प्रबंधक और साहिल कुमार सहायक प्रबंधक विवेक कुमार द्विवेदीसुपरवाइजर एवं प्रशांत पांडेय सुन्दर सिंह सब स्टॉप उपस्थित रहे। त्वरित ऋण प्रक्रिया: शाखा प्रबंधक ने किसानों को बताया कि केसीसी के माध्यम से खेती-किसानी के लिए बेहद कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने आवेदन की सरल प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

शिविर में पहुँचे एल डीएम ने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सरकार की मंशा हर पात्र किसान को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे बिचौलियों के चक्कर में न पड़कर सीधे बैंक से संपर्क करें और योजना का लाभ उठाएं।कार्यक्रम के दौरान कई किसानों के आवेदनों की समीक्षा की गई और उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया।

किसानों में दिखा उत्साह

शिविर में गोहपारू और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान सम्मिलित हुए। बैंक प्रबंधन ने आश्वासन दिया कि पात्र किसानों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द केसीसी कार्ड जारी किए जाएंगे। शाखा प्रबंधक, सेंट्रल बैंक गोहपारू ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल किसानों में जागरूकता बढ़ती है, बल्कि बैंक और जनता के बीच का आपसी विश्वास भी मजबूत होता है।

43 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए विष्णु दास मिश्रा

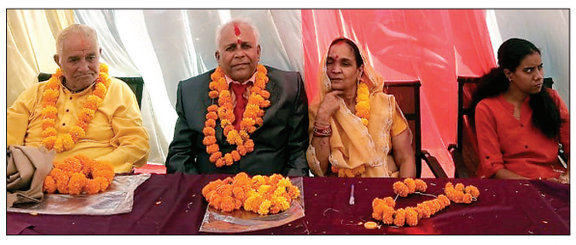

नवभारत , शहडोल। शिक्षा जगत में लंबी और निष्ठावान सेवा प्रदान करने वाले शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, मोटी के प्रधानाध्यापक पंडित विष्णु दास मिश्रा आज अपनी अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने शिक्षा विभाग में 43 वर्ष और 2 माह का अपना लंबा कार्यकाल पूर्ण किया। इस अवसर पर उनके सम्मान में एक भव्य विदाई और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। श्री मिश्रा अपने सरल, मृदभाषी और सात्विक व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं। अपने लंबे सेवाकाल के दौरान, उन्होंने न केवल अपनी कार्यकुशलता और ईमानदारी से पहचान बनाई, बल्कि वे शिक्षकों और छात्रों के लिए सदैव एक मार्गदर्शक और मददगार के रूप में खड़े रहे।

कार्यक्रम का संचालन प्रकाश नारायण द्विवेदी (शिक्षक, माध्यमिक शाला ओदरी) द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने श्री मिश्रा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है और भविष्य में भी वे हमें इसी प्रकार दिशा दिखाते रहेंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा ने की। इस भावुक विदाई समारोह में परिवार के सदस्यों, सहकर्मियों और गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप मेंलालजी तिवारी, जिलाध्यक्ष, म.प्र. शिक्षक संघ, विनोद सिंह सचिव, म.प्र. शिक्षक संघ, परिवार के सदस्य लालमणि मिश्रा (पूर्व राजस्व निरीक्षक एवं बड़े भाई), पूर्णेन्दु मिश्रा (पार्षद, वार्ड क्रमांक 36, पुरानी बस्ती), जितेंद्र मिश्रा एवं वेद प्रकाश मिश्रा (छोटे भाई), और पुत्र पंडित कृष्णा मिश्रा सहित वरिष्ठ पत्रकार जे.पी. सिंह परिहार, पाली जनपद की महिला जनपद सदस्य (जमुडी), जिले के विभिन्न स्कूलों से पधारे शिक्षक-शिक्षिकाएं, ग्रामीण जन और विद्यालय के छात्र-छात्राएं।

सरसी आईलैंड को वेडिंग डेस्टिनेशन बनाया जाए : उप मुख्यमंत्री

वेडिंग डेस्टिनेशन बनकर कितना सुरक्षित होगा सरसी आईलैण्ड

नवभारत ,शहडोल। उपमुख्यमंत्री की दूरदर्शिता काबिले तारीफहै, क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकती है। उनके द्वारा सरसी आईलैण्ड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में डेवल किए जाने के निर्देश के बाद बाणसागर बैकवॉटर के बीच बसे सरसी आईलैंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की कवायद तेज हो गई है, लेकिन जमीनी हकीकत इस सपने पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के निर्देश पर यहां सेवाओं के विस्तार और उन्नयन का प्रस्ताव तैयार करने की बात कही जा रही है, वहीं मौजूदा हालात बताते हैं कि यह स्थल अभी बुनियादी सुरक्षा मानकों पर भी खरा नहीं उतर पा रहा है।

सपनों का वेन्यू या जोखिम भरा टापू

ब्यौहारी विकासखंड के पपौंध थाना क्षेत्र स्थित सरसी गांव के पास बना यह पर्यटन प्रोजेक्ट कागजों में भले आकर्षक दिखता हो, लेकिन हकीकत में यहां आपातकालीन व्यवस्थाओं का घोर अभाव है। शादी जैसे बड़े आयोजनों के लिए जहां सैकड़ों लोगों की मौजूदगी होती है, वहां सुरक्षा इंतजाम नगण्य नजर आते हैं। सरसी आईलैंड तक पहुंचने के लिएइटमा 7 किमी, मार्कण्डेय 4 किमी और काढ़े प्वाइंट 2 किमी से नावों के जरिए जाना पड़ता है। ऐसे में किसी हादसे की स्थिति में तत्काल राहत पहुंचाना बड़ी चुनौती बन सकता है। पुलिस के पास खुद की नाव तक नहीं है, न ही प्रशिक्षित गोताखोर या रेस्क्यू टीम उपलब्ध है। पपौंध पुलिस भी घटनास्थल तक पहुंचने के लिए निजी नावों पर निर्भर रहती हैकृजो किसी भी बड़े हादसे में भारी पड़ सकता है।रिसोर्ट प्रबंधन के अनुसार, यहां केवल 5 नावें हैं। 1 वाटर स्कूटर, 3 छोटी नावें और एक बड़ी 'जलपरी' नाव। कुल मिलाकर यही नावें परिवहन और आपातकालीन दोनों भूमिकाएं निभा रही हैं। अलग से कोई रेस्क्यू टीम नहीं है, नाव चालक ही तैराक और बचावकर्मी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यह व्यवस्था बड़े आयोजन की दृष्टि से बेहद कमजोर मानी जा रही है।

न चिकित्सा सुविधा, न त्वरित सहायता

आईलैंड पर न तो पर्याप्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है और न ही कोई इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम। किसी भी गंभीर स्थिति में मरीज को मुख्य भूमि तक लाने में ही कीमती समय निकल सकता हैकृजो जानलेवा साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, त्वरित रेस्क्यू और आपदा प्रबंधन सबसे पहली शर्त होती है। सरसी आईलैंड में इन सभी मोर्चों पर अभी भारी कमी है। स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या बिना ठोस सुरक्षा इंतजामों के इस आईलैंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देना उचित है? क्या सरकार पहले सुरक्षा ढांचा मजबूत करेगी या सीधे बड़े आयोजनों की अनुमति दे दी जाएगी ?सरसी आईलैंड को पर्यटन और वेडिंग हब बनाने की योजना तब तक अधूरी और जोखिमभरी मानी जाएगी, जब तक यहां सुरक्षा, रेस्क्यू और स्वास्थ्य सुविधाओं का पुख्ता इंतजाम नहीं किया जाता। वरना यह खूबसूरत टापू किसी बड़े हादसे का इंतजार करता नजर आएगा।

क्षेत्रीय प्रबंधक के मार्गदर्शन में आगे बढ़ रही बंगवार भूमिगत खदान

मिला बेस्ट माइंस का खिताब

नवभारत ,धनपुरी। कोयलांचल की धरती पर परिश्रम, समर्पण और तकनीकी दक्षता का जो अद्वितीय संगम देखने को मिलता है, उसका सशक्त उदाहरण बनकर उभरी है सोहागपुर एरिया की बंगवार भूमिगत खदान। मिनी रत्न कंपनी के रूप में देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाली एसईसीएल ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि सतत प्रयास, अनुशासन और कार्यनिष्ठा से सफलता के शिखर को स्पर्श किया जा सकता है।

हाल ही में बिलासपुर मुख्यालय में आयोजित गरिमामयी समारोह में बंगवार भूमिगत खदान को 'बेस्ट माइंस' के प्रतिष्ठित खिताब से

अलंकृत किया गया। यह सम्मान न केवल खदान की उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता का प्रमाण है, बल्कि वहां कार्यरत प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी के अथक परिश्रम की उज्ज्वल परिणति भी है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर डायरेक्टर टेक्निकल एन. फेंकलिन के करकमलों से सोहागपुर एरिया के मुख्य महाप्रबंधक बी. के. जेना एवं उप क्षेत्रीय प्रबंधक संजय कुमार सिंह (बंगवार-दामिनी) को सम्मानित किया गया।बंगवार भूमिगत खदान, जो सुहागपुर एरिया की सबसे पुरानी खदानों में से एक है, वर्षों से अपने उत्कृष्ट उत्पादन, गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के लिए जानी जाती रही है। कठिन परिस्थितियों में भी यहां के कर्मवीरों ने अपने अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करते हुए खदान को निरंतर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। यह उपलब्धि केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि उस समर्पित भावना का सम्मान है, जो हर दिन धरती की गहराइयों में उतरकर राष्ट्र के ऊर्जा संसाधनों को सशक्त बनाती है। मुख्य महाप्रबंधक बी . के. जेना के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी सोच ने इस उपलब्धि को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह की कार्यकुशलता और टीम भावना ने पूरे दल को एक सूत्र में पिरोकर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर किया। इन दोनों अधिकारियों के मार्गदर्शन में बंगवार खदान ने न केवल उत्पादन के क्षेत्र में, बल्कि गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रबंधन के हर आयाम में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। इस सम्मान से पूरे सुहागपुर एरिया में हर्ष और गौरव का वातावरण व्याप्त है। अधिकारी एवं कर्मचारी इस उपलब्धि को अपनी सामूहिक साधना का परिणाम मानते हुए भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

भाजपा की तीन राज्यों में प्रचण्ड जीत नारी शक्ति का विजय उद्घोष : शालिनी

नवभारत, बुढ़ार। भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष व नगर परिषद बुढ़ार की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी शरावगी ने तीन राज्यों पश्चिम बंगाल, असाम, ओर पुदूचेरी में भारतीय जनता पार्टी की जीत को नारी शक्ति का विजय उद्घोष बताया। श्रीमती सरावगी ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री मोदी की महिला कल्याणकारी योजनाओं और उनके नेतृत्व में महिलाओं के बढ़ते भरोसे का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बंगाल का परिणाम ममता बनर्जी के अंत का परिणाम है और कहा कि वहां की महिलाओं ने ममता बनर्जी के अराजक शासन और भय के खिलाफ वोट देकर लोकतंत्र को

असली आजादी दिलाई है। महिला वोटर का एक बड़ा वर्ग साइलेंट वोटर के रूप में उभरा है जिसने सुरक्षा सम्मान के मुद्दे पर भाजपा को ऐतिहासिक जनादेश दिया। यह जीत बूथ स्तर पर काम करने वाली लाखों महिलाओं और कार्यकर्ताओं के परिश्रम की जीत है जिन्होंने घर-घर जाकर पार्टी की विचारधारा को लोगों से सीधे जोड़ा और इस जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और महिला केंद्रित योजनाओं पर महिलाओं के अटूट विश्वास की जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह जीत महिलाओं की सुरक्षा और कानून व्यवस्था और विकास की प्राथमिकता देने के वादे पर मिली है। भाजपा की इस शानदार सफलता पर श्रीमती शालिनी सरावगी ने मतदाताओं को धन्यवाद दिया और आगे भी प्रधानमंत्री की नीतियों को आगे बढ़कर समर्थन करने की मांग की जिससे महिला सुरक्षा और हर क्षेत्र में उनकी भागीदारी को सम्मान प्राप्त हो सके और मोदी सरकार के द्वारा महिलाओं को समान भागीदारी मिल सके।

जिला कांग्रेस ने जारी की मंडलम अध्यक्षों की जम्बो सूची

राजेश तिवारी को खन्नौधी की कमान

नवभारत , गोहपारू। शहडोल जिले में कांग्रेस को जमीनी स्तर पर अभेद्य बनाने के संकल्प के साथ जिला कांग्रेस कमेटी ने अपनी नई टीम की घोषणा कर दी है। जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में मंडलम और सेक्टर स्तर पर भारी नियुक्तियां की गई हैं, जिसका उद्देश्य आगामी चुनावों और पार्टी के आंदोलनों को गति प्रदान करना है । जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी इस बहुप्रतीक्षित सूची में पार्टी के प्रति समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ताओं को जगह दी गई है। जिले भर से आए नामों पर गहन मंथन के बाद अजय अवस्थी ने इस जम्बो सूची पर हस्ताक्षर किए। इस फेरबदल में युवाओं के जोश और अनुभवी नेताओं के सामंजस्य पर विशेष जोर दिया गया है ।

जयसिंहनगर विधानसभा (84) में राजेश तिवारी का बढ़ा कद

इस सूची में सबसे महत्वपूर्ण नाम राजेश तिवारी का है, जिन्हें जयसिंहनगर विधानसभा (84) के अंतर्गत खन्नौधी मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वर्तमान में उपसरपंच के दायित्व का निर्वहन कर रहे राजेश तिवारी की नियुक्ति को क्षेत्र में कांग्रेस के बढ़ते प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय राजनीति के जानकारों का मानना है कि तिवारी की कार्यकुशलता का लाभअब सीधे तौर पर संगठन को मिलेगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस लंबी सूची में शामिल अन्य पदाधिकारियों को भी जल्द ही उनके प्रभार सौंप दिए जाएंगे जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी ने स्पष्ट किया है कि यह केवल नियुक्तियां नहीं हैं, बल्कि जनसेवा और सत्ता के विरुद्ध संघर्ष का एक नया शंखनाद है । जिले के हर ब्लॉक और मंडलम में नए प्रभारियों की नियुक्ति ।राजेश तिवारी जैसे सक्रिय जनप्रतिनिधियों को संगठन की मुख्य कमान। मिशन 2028 संगठन को नए सिरे से पुनर्जीवित कर कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करना।

बधाइयों का तांता

सूची जारी होने के बाद से ही नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया है। राजेश तिवारी को खन्नौधी मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर खन्नौधी, गोहपारू और जयसिंहनगर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर हर्ष व्यक्त किया और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में पार्टी क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी।

योग

योगाचार्य शिवाकान्त शुक्ला सिखा रहे स्वस्थ जीवन की कला

जैन मंदिर में आयुष विभाग द्वारा साप्ताहिक नि :शुल्क योग शिविर का आयोजन

नवभारत , शहडोल। स्थानीय जैन मंदिर में आयुष विभाग के योग एण्ड वैलनेस सेंटर के तत्वावधान में एक साप्ताहिक नि:शुल्क योग शिविर का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 3 मई से प्रारंभ हुआ यह शिविर आगामी 10 मई तक चलेगा, जिसका समय सुबह 6 से 7 है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

वैज्ञानिक एवं पारंपरिक विधियों का संगम

शिविर में अंतरराष्ट्रीय योग विशेषज्ञ योगाचार्य शिवाकान्त शुक्ला द्वारा नगरवासियों को उत्तम स्वास्थ्य के गुर सिखाए जा रहे हैं। योगाचार्य शुक्ला प्रशिक्षण के दौरान योग की वैज्ञानिक और पारंपरिक पद्धतियों के बीच सामंजस्य स्थापित कर अभ्यास करा रहे हैं। उनका मुख्य जोर इस बात पर है कि कैसे योग मात्र एक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है जिसके माध्यम से हम असाध्य रोगों से मुक्ति पा सकते हैं।

बीमारियों से मुक्ति पर विशेष जोर

प्रशिक्षण के दौरान योगाचार्य द्वारा विभिन्न आसनों और प्राणायामों के माध्यम से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसेकृतनाव, मधुमेह, रक्तचाप और जोड़ों के दर्द के निवारण पर विशेष जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि यदि योग को सही विधि और निरंतरता के साथ किया जाए, तो यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर हमें आंतरिक रूप से सशक्त बनाता है।

21 जून विश्व योग दिवस की तैयारी

जिला आयुष अधिकारी डॉ. शशिप्रभा पांडेय ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य आगामी 21 जून को होने वाले विश्व योग दिवस के प्रति जागरूकता फैलाना है। योगाचार्य शिवाकान्त शुक्ला ने नगरवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि स्वस्थ भारत के निर्माण का संकल्प है। शिविर में प्रतिदिन अभ्यासार्थियों को विश्व योग दिवस के प्रोटोकॉल के अनुसार भी तैयार किया जा रहा है ताकि नगर में योग का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके।

नगरवासियों से शामिल होने की अपील

आयुष विभाग के योग एण्ड वैलनेस सेंटर एवं आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. आयेशा निशा ने नगर के सभी प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं और बुजुर्गों से अपील की है कि वे 10 मई तक चलने वाले इस शिविर का अधिक से अधिक संख्या में लाभ उठाएं। यह शिविर पूरी तरह नि:शुल्क है और इसका उद्देश्य शहडोल नगर को स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है।